Report

of

National seminar

On

Indian Health Care System

(March5, 2021)

Sponsored By

Department of Higher Education

(No Degree vikas 1507/2020-21 dated 17/02/2021)

Government of Uttar Pradesh

Lucknow

Chief patron: Prof.(Dr) Amit Bhrdwaj Director , Higher Education U.P. Prayagraj

Patron: Prof. (Dr) Savita Bhardwaj, Principal, GGPGC, Ghazipur

Coordinator: Dr. Gyan Prakash Verma, RHEO, Varanasi

Organizing Secretary: Dr Satyendra Singh Assoc Professor

Conveners: Mr.Santan Kumar Asstt. Professor

Dr Vikash Singh Asstt. Professor

Organized By

GOVERNMENT GIRL'S PG COLLEGE ,

(Accredited B++ Grade by NAAC Bengluru)

Ghazipur-233001. U.P.

E-Mail: ggpgc09@gmail.com

Website: www.gwpgc.ac.i

संगोष्ठी के रिपोर्ट

सेमिनार का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ0 जी0सी0 मौर्य मुख्य चिकित्साधिकारी, गाजीपुर द्वारा प्रातः 10:00 बजे किया गया डॉ0 विकास सिंह द्वारा सेमिनार का संचालन करते हुए सर्वप्रथम मंचासीन अतिथिओं का परिचय कराया गया मंच पर डॉ0 जी0सी0 मौर्य, डॉ0 सविता भारद्वाज, डॉ0 आनंद विद्यार्थी, क्षेत्रीय अधिकारी आयुर्वेद एवं यूनानी सेवायें, गाजीपुर सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ0 सत्येन्द्र सिंह थे। सेमिनार का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन ज्ञान की देवी सरवस्ती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन से किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत, कुल गीत एवं स्वागत गान गाया डॉ0 विकास सिंह समारोह का संचालन करते हुए सेमिनार के मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सेमिनार में सारगर्भित व्याख्यान, शोध पत्र एवं महत्वपूर्ण विमर्श होगे। सेमिनार में प्रस्तुत शोध–पत्र नई सोच एवं शोध में नवाचार का प्रारम्भ करेगें। सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ0 सत्येन्द्र सिंह ने भारत में प्राचीन काल तथा वर्तमान में चल रही चिकित्सा पद्वति एलोपैथिक, यूनानी तिब्बी, होमापैथिक चिकित्सा पद्वति का परिचय प्रतिभागियों से परिचय कराते हुए भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्वति आयुर्वेद पर विस्तार से चर्चा करते हुए आयुर्वेद में नवाचार, प्रचार प्रसार, आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता एवं विश्लेषण कि सुविधाओं का विस्तार तथा **Drug and cosmetic Act- 1940** को प्रभावी ढ़ग से लागू करने पर बल दिया।

मुख्य अतिथि डॉ0 जी0सी0 मौर्य शासन द्वारा चलायी जा रही स्वास्थ्य सम्बन्धी योजनाओं का जानकारी दी कोरोना वैश्विक वीमारी रोकने के लिए शासकीय प्रयासों की चर्चा की। वैक्सीनेसन में भारत के विश्वव्यापी जानकारी देते हुए वर्तमान में चल रहे वैक्सीनेसन एवं महामारी से सावधानियों का पालन करने का आह्वाहन आयुर्वेद किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 सविता भारद्वाज ने भारत के प्राचीन चिकित्सा पद्वति, वेद का दार्शनिक महत्व बताते हुए। भारतीयों के विश्व के निरोग की कामना के महत्व को समझाया। भारतीय दर्शन, सोच, ज्ञान व योग के सम्मिश्रण से शरीर को स्वथ्य रखने का मंत्र दिया। भारतीयों विश्वव्यापी निरोग एवं स्वस्थ प्रयासों की चर्चा की। सेमिनार के संयोजक डॉ0 संतन कुमार ने मुख्य अतिथि सभी प्रतिभागियों का सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में योग प्रशिक्षण की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें आयुष प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को योगासन के विभिन्न अभ्यास कराए गए तथा उनके लाभों से अवगत कराया गया। इस सत्र का निर्देशन आयुर्वेद एवं यूनानी औषधि विभाग द्वारा शादियाबाद

गम्भीर संकट का आकलन प्रस्तुत करते हुए बताया कि आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में इस रोग की पूरी तरह से नियंत्रित करने की क्षमता है। इस सत्र का संचालन रिपोर्टर का दायित्व डॉ0 संतन कुमार ने तथा अध्यक्षता डॉ0 दीप्ति सिंह ने किया। संगोष्ठी के तृतीय सत्र में 6 शोध पत्र ऑनलाइन तथा 6 शोध पत्र का वाचन ऑफलाइन हुआ। इनमें निखात फात्मा, डॉ0 सत्येन्द्र सिंह, डॉ0 के0के0 पटेल, डॉ0 बी0एन0 पाण्डेय, डॉ0 विकास सिंह आदि के शोध पत्र प्रसंशित रहे। इन शोध पत्रों में नगरीय जीवन शैली की स्वास्थ्य चुनौतियॉं, वनस्पतियों का वृद्धावस्था नियंत्रण पर प्रभाव, भारतीय इतिहास परंपरा में स्वास्थ्य की चर्चा हमारे भोजन का पोषण इत्यादि पर शोध पत्र पढ़े गए। सत्र की रिपोर्टिग डॉ0 शशिकला जायसवाल तथा अध्यक्षता डॉ0 अनिता कुमारी ने किया।

चतुर्थ तकनीकी सत्र में सात शोध पत्रों का वाचन हुआ जिनमें स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण, भारतीय दर्शन परंपरा में स्वास्थ्य का चिंतन, वेदो में चिकित्सा प्रणाली, लोकतांत्रिक विमर्श में स्वास्थ्य परिचर्चा, दवाइयों का रसायन शास्त्र, स्त्रियों के स्वास्थ्य का समाजशास्त्र, जैविक कृषि द्वारा बीमारी से बचाव आदि विमर्श के महत्वपूर्ण बिंदु रहे। इस सत्र में डॉ0 शिवकुमार, डॉ0 सारिका सिंह, डॉ0 अकबरे आजम, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, प्राची यादव, सविता गुप्ता, डॉ0 संतन कुमार ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। सत्र में रिपोर्टर का दायित्व डॉ0 शम्भू शरण प्रसाद द्वारा तथा अध्यक्षता डॉ0 बी0एन0 पाण्डेय द्वारा की गई।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आनंद विद्यार्थी जी रहे इन्होंने आर्युवेदिक शल्य चिकित्सा और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा किये जा रहे सकारात्मक सुधारों से अवगत कराया। संगोष्ठी की रिपोर्ट. संयोजक डॉ0 संतन कुमार राम ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस संगोष्ठी में 20 शोध पत्र ऑफलाइन तथा 6 शोध पत्र ऑनलाइन पढ़े गए। इस संगोष्ठी में राजस्थान, मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जयनारायन व्यास जोधपुर विश्वविद्यालय, हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय गढवाल, एमटी. विश्वविद्यालय, लखनऊ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इलाहावाद विश्वविद्यालय, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। समापन सत्र का संचालन

से आए हुए श्री रूद्र प्रकाश तिवारी, वेलनेस सेन्टर कुर्तुगा की नम्रता तिवारी एवं वेलनेस सेन्टर गौसपुर, श्री धीरज राय तथा संयोजन संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ0 शम्भू शरण प्रसाद ने किया। सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सविता भारद्वाज, क्षेत्रीय अधिकारी अर्युवेद एवं यूनानी औषधि विभाग, गाजीपुर डॉ0 आनंद विद्यार्थी, डॉ0 सत्येन्द्र सिंह उपस्थित थे।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन गाजीपुर जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 जी0सी0 मौर्य के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर आप ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार तथा गाजीपुर के जनपद प्रशासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ उठाने का आह्वान किया। आपने भारतीय परंपरा तथा आधुनिक वैज्ञानिक चिंतन दोनो के समावेश से भारत को स्वस्थ, निरोग तथा शक्तिशाली बनाने का आह्वान युवाओं से किया। इस अवसर पर प्राचार्य, प्रो0 सविता भारद्वाज ने योग दर्शन, न्याय दर्शन तथा मनीषी चिंतन परम्परा से उदाहरण देकर यह स्थापित किया कि स्वास्थ्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है। इसके अभाव में सिर्फ काया ही नही, बल्कि लोक–जीवन भी जर्जर हो जाता है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ0 सत्येन्द्र सिंह ने स्वास्थ्य व्यवस्था के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय स्वास्थ्य तंत्र के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, चिकित्सकीय पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। सत्र का संचालन इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 विकास सिंह ने किया। संगोष्ठी के दूसरे तकनीकी सत्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 नीरज कुमार ने स्त्रियों के विभिन्न रोगों, उसके कारणों का निदान तथा उससे बचाव के संभावित उपाय भी सुझाए। इसी सत्र में फिजीशियन डॉ0 एन0के0 पाण्डेय ने कहा कि हाइपरटेंशन, थायराइड जैसी बीमारियों मे से ज्यादातर समस्याओं से बचा जा सकता है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ0 सुजीत मिश्र ने शिशुओं को होने वाले विभिन्न रोगों और भविष्य की माताओं को मानसिक तथा शारीरिक तौर पर गर्भधारण तथा बच्चे की परवरिश के लिए तैयार होने के महत्वपूर्ण मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा। आपने यह भी जोड़ा की बच्चों के भोजन की आदते बड़ो के द्वारा ही डाली जाती है। क्षय रोग नियंत्रण समन्वयक डॉ0 मिथिलेश सिंह ने इस रोग की चुनौतियों, भारत में इसके बड़े आकार और उत्तर प्रदेश में इसके

डॉ0 निरंजन कुमार यादव तथा आभार ज्ञापन करते हुए संगोष्ठी के सचिव डॉ0 सत्येन्द्र सिंह ने कहा मै सभी शिक्षकों शोधछात्रों कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों का कृतज्ञ हूँ जिन्होंने हमारी इस परिकल्पना को मूर्त रूप में लाने में सहयोग प्रदान किया। अंत में उच्च शिक्षा विभाग उ0प्र0 द्वारा रू.40000/ [redacted] का अनुदान इस सेमिनार को सम्पन्न कराने हेतु प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में उ0प्र0, उत्तराखण्ड, एवं राजस्थान के कुल 76 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। तथा 2ö शोध–पत्र तीन तकनिकी सत्र में पढ़े गये ये शोध सारांश पूर्वांचल विश्वविद्यालय जयनारायन व्यास जोधपुर विश्वविद्यालय, हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय गढवाल, एमटी. विश्वविद्यालय, लखनऊ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इलाहावाद विश्वविद्यालय, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के छात्राओं द्वारा पढे गये।

Dr Satyendra Singh

tograph of Seminar Indian Health Care System held on March 5,2021
at
Government Girls P.G. College, Ghazipur